Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

SA–221

B.A. (Part–III) DUE of B.A. (Part–II) Suppl. Examination, 2021

HINDI LITERATURE

Paper - II

(नाटक एवं एकांकी)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) 'अंधेर नगरी' नाटक की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

   (ii) 'बहुत बड़ा सवाल' एकांकी की कथावस्तु का आधार क्या है ?

(iii) 'हस्तिनापुर' नाटक में चरित्र-चित्रण पर टिप्पणी लिखिए।

(iv) 'समरथ को नहीं दोष गुसांई' एकांकी में व्यंग्यात्मकता को स्पष्ट कीजिए।

(v) 'अदृश्य आदमी की आत्महत्या' एकांकी का मूल भाव चित्रित कीजिए।

(vi) 'एक तोला अफीम की कीमत' की भाषा की प्रमुख विशेषताएँ चित्रित कीजिए।

(vii) 'काल पुरुष और अजंता की नर्तकी' एकांकी की कथावस्तु स्पष्ट कीजिए।

(viii) 'कैक्टस और कमल' एकांकी में किस त्रासदी का चित्रण है ?

(ix) 'नुक्कड़ नाटक' क्या है ?

(x) एकांकी के प्रमुख तत्त्व कौनसे हैं ?

खण्ड–ब

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

2. ''जात ले जात, टके से जात। एक टका दो, हम अभी अपनी जात बेचते हैं। टके के वास्ते ब्राह्मण से धोबी हो जायं और धोबी को ब्राह्मण कर दें, टके के वास्ते जैसी कहो वैसी व्यवस्था दें। टके के वास्ते झूठ को सच करें। टके के वास्ते ब्राह्मण से मुसलमान, टके के वास्ते हिन्दू से क्रिस्टान। टके के वास्ते धर्म और प्रतिष्ठा दोनों बेचें, टके वे वास्ते झूठी गवाही दें।''

3. ''बच्चा! नारायण दास ने मुझसे कहा था कि यहाँ सब चीज टके सेर मिलती है, तो मैंने इसकी बात का विश्वास नहीं किया। बच्चा, यह कौनसी नगरी है और इसका कौनसा राजा है, जहाँ टके सेर भाजी और टके ही सेर खाजा है।''

4. ''ये कैसे हो सकता है अबू कासिम ? हमने कहा था न—ये जूते तुम्हारी करतूत हैं। ये जो कुछ हैं तुम्हारे बनाये हैं। तुम्हारी करतूत दूसरों को नहीं फँसाती, खुद तुम्हें भी अपने जाल में ले लेती है। तुम्हारे अनचाहे अनजाने ही। इनसे निज़ात मुमकिन नहीं जब तक तुम खुद से निजात न पा लो।''

5. ''पिताजी! धृष्टता क्षमा कीजिए, विवाह के लिये आपको अपनी सारी जमींदारी बेचनी पड़ती। 6000 रुपये आप कहाँ से लाते ? आप तो भिखारी हो जाते। इससे अच्छा यही है कि मैं भगवान की शरण में जाऊँ। अब आप निश्चिन्त हो जाइए। आह, यदि मेरे बलिदान से हिन्दू समाज की आँखें खुल सकतीं।''

6. 'रंगशाला' के पास कोई प्रोग्राम नहीं। एक नाटककार को अपना नया नाटक खेलना था, एक अभिनेता उस नाटक में नायक बनने का शौकीन था, एक देवी नायिका के रूप में उतरना चाहती थीं, दो-चार लोग उन देवी जी की प्रसन्नता प्राप्त करना चाहते थे.....सो उन सबने मिलकर रंगशाला की स्थापना कर दी।

7. ''तो कहने का मतलब है कि ऐसी एक योजना हो जिससे वह सरकारी योजना भी हो सकती है और छोटे कर्जों की योजना का हिस्सा भी एक सुझाव था कि घर नीलाम किये जाएँ, लेकिन मैं उसके पक्ष में नहीं हूँ क्योंकि नीलामी जो है, वह समाजवादी नीति नहीं है।''

8. ''सर्दी में आदमी की फीलिंग्स भी जम जाती है, जानते हो तुम स्वीटहार्ट, इतनी देर से तुमने मुझसे जो कुछ कहा, मैंने कुछ सुना ही नहीं। शब्द तो बड़े सुन्दर थे, बिल्कुल बच्चों की तरह।''

खण्ड-स

नोट :- चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

9. 'अंधेर नगरी' नाटक की तात्त्विक समीक्षा कीजिए।

10. 'मकड़ी का जाला' एकांकी की भाषागत एवं शिल्पगत विशेषताएँ लिखिए।

11. 'साहब को जुकाम है' एकांकी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

12. नाटक एवं एकांकी में अंतर स्पष्ट कीजिए।